Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	WINDOWS REMINGTON GAIL 18th June 2018 Shift1
Subject Name:	WINDOWS REMINGTON GAIL
Creation Date:	2018-06-18 15:44:59
Duration:	25
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	28470373
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	284703121
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	284703121
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 1 Question Id : 284703973 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

बहुत समय पहले की बात है हिमालय के जंगलो में एक बहुत ताकतवर शेर रहता था एक दिन उसने बारासिंघे का शिकार किया और खाने के बाद अपनी गुफा को लौटने लगा अभी उसने चलना शुरू ही किया था कि एक सियार उसके सामने दंडवत करता हुआ उसके गुणगान करने लगा।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Remington
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes

Actual

Group Number :	2
Group Id :	28470374
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	284703122
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	284703122
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 2 Question Id : 284703974 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस का जन्म 23 जनवरी सन 1897 में उडीसा राज्य की राजधानी कटक में हुआ था। बोस के पिता जानकीनाथ बोस कटक के सुप्रसिद्ध वकील थे। सुभाषचन्द्र के सगे भाई शरतचन्द्र बोस भी देश भक्तों में उच्च स्थान रखते हैं। नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की आरम्भिक शिक्षा एवं यूरोपियन स्कूल में हुई। नेताजी ने सन 1913 में मैट्रिक की परीक्षा में कलकत्ता युनिवर्सिटी में दूसरे स्थान को प्राप्त किया था। इसके बाद उन्होंने उच्च शिक्षा के लिए कलकत्ता के प्रेजीडेन्सी कालेज में दाखिला लिया। इस कालेज का अंग्रेज अध्यापक भारतीयों के अपमान के लिए जाना जाता था, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस ने इसकी वजह से उस अध्यापक की पिटाई कर दी। इस अपराध के कारण उन्हें कालेज से निकाल दिया गया। इसके बाद नेताजी ने स्काटिश युनिवर्सिटी से स्नातक की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण किया और फिर इंग्लैंड से आई.सी.एस की परीक्षा पास करके स्वदेश आकर सरकारी नौकरी करने लगे। नेताजी सुभाषचन्द्र बोस आराम परस्त जिंदगी से बेहतर स्वराष्ट्र की दशा को आराम-परस्त बनाने के अधिक पक्षधर थे। इसीलिए इन्होंने सरकारी नौकरी छोड कर स्वदेश प्रेम को महत्व दिया। नेताजी सुभाषचन्द्र बोस भारत को स्वतंत्रत करने के अग्रणीय दूत महात्मा गांधी के सम्पर्क में सन 1920 में नागपुर में होने वाले कांग्रेस अधिवेशन के समय आए थे। महात्मा गांधी के प्रभाव में आकर इन्होंने अनेक प्रकार की यातनाओं के सहते हुए आजादी की सांस लिये बिना विश्राम न करने का संकल्प किया। नेताजी सुभाषचन्द्र बोस ने पूर्ण स्वराज्य की प्राप्ति के प्रयास में फारवर्ड ब्लाक दल का संगठन किया और आजादी के लिए सक्रिय कदम उठाया। इसी के लिए नेताजी ने कांग्रेस दल से त्याग पत्र भी दे दिया था। सन 1942 में नेताजी ने जापान में आजाद हिन्द फौज का संगठन किया। नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की यह आजाद हिन्द फौज बहुत ही हिम्मती और बहादुर थी, जिसने अखंड ब्रिटिश सत्ता को कई बार कंपा दिया था। इसके सामने ब्रिटिश शक्ति के पांव उखडने लगे थे। इसी आजाद हिन्द फौज के संगठन के नेतृत्व के जरीए नेताजी ने सम्पूर्ण गुलाम नागरिकों को उत्साहित करते हुए यह बुलन्द आवाज दी थी की तुम मुझे खून दो, मैं तुमहें आजादी दूंगा। साधनों और सुविधाओं के अभाव को झेलते हुए भी आजाद हिन्द फौज में अदम्य और अपार शक्ति का संचार था। इसने कई बार अंग्रेज सैन्य शक्ति को कई बार परास्त किया था लेकिन बाद में जर्मनी और जापान के पराजय के फलस्वरूप आजाद हिन्द फौज को विवश होकर हथियार डालने पडे। 23 अगस्त 1945 को टोकियो आकाशवाणी ने नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की हार्दिक दुखपूर्ण मृत्यु का समाचार प्रसारित किया। कहा जाता है कि उनकी मृत्यु हवाई जहाज की दुर्घटनाफलस्वरूप हुई थी। हालांकि आज भी नेताजी की मृत्यु की इस घटना की सत्यता के प्रति आशंका है।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Remington
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes